भूमिगत मेट्रो का सफर
७० फीसदी हुआ पार!

➔ बिछ गई १४ फीसदी कंपन मुक्त पटरी

मुंबई में निर्माणाधीन भूमिगत मेट्रो का निर्माण कार्य लगभग ७० फीसदी पूरा हो गया है। कॉरिडोर के मार्ग पर स्टेशन निर्माण के साथ ही मार्च, २०२१ से ट्रैक बिछाने के काम की भी शुरुआत कर दी गई है। ३३.५ किमी भूमिगत कॉरिडोर पर अब तक करीब १४ फीसदी ट्रैक बिछाई जा चुकी है। भूमिगत मार्ग पर देश के सबसे हाइटेक ट्रैक का इस्तेमाल किया जा रहा है, जो कंपन मुक्त होगा।

इंफ्रा-चेक

○ सुजीत गुप्ता

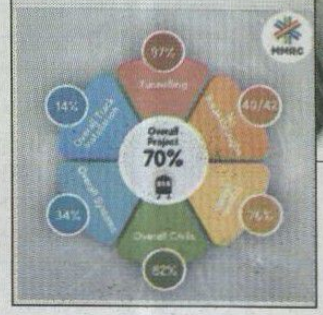

७६ फीसदी पूरा हुआ स्टेशन निर्माण

एलिवेटेड मेट्रो के साथ ही मुंबई में जमीन के नीचे भी मेट्रो निर्माण का कार्य तेजी से चल रहा है। आलम यह है कि जमीन से २० मीटर नीचे बन रहे २६ मेट्रो स्टेशनों में से १६ मेट्रो स्टेशन ८० प्रतिशत से अधिक तक बनकर तैयार हो चुके हैं, वहीं ७ स्टेशनों का सिविल वर्क ७० प्रतिशत से अधिक पूरा हो गया है। कुल मिलाकर, स्टेशन निर्माण का काम ७६ फीसदी पूरा हो चुका है।

३३.५ किमी लंबा रूट

मुंबई की पहली अंडर ग्राउंड मेट्रो का निर्माण कार्य कोलाबा-बांद्रा-सिप्ज के बीच ३३.५ किमी में किया जा रहा है। एमएमआरसीएल के अनुसार, एमआईडीसी स्टेशन का सबसे अधिक ८५ प्रतिशत से अधिक सिविल वर्क पूरा हो चुका है, जबकि सिप्ज स्टेशन ८३ प्रतिशत से अधिक व विधानभवन स्टेशन ८४ फीसदी से अधिक तक बनकर तैयार हो चुका है। मरोल नाका स्टेशन ८२ प्रतिशत से अधिक, सिद्धिविनायक स्टेशन ८० प्रतिशत से अधिक, कफ परेड स्टेशन ८२ फीसदी से अधिक, चर्चगेट और हुतात्मा चौक स्टेशन ८१ प्रतिशत से अधिक तक बनकर तैयार हो गया है। मुंबई सेंट्रल, महालक्ष्मी, वर्ली, सहार रोड, डॉमेस्टिक एयरपोर्ट स्टेशन का करीब ८० फीसदी से अधिक सिविल वर्क हो चुका है। सीएसएमटी, दादर, साइंस म्यूजियम, शीतलादेवी, धारावी, बीकेसी, विद्यानगरी स्टेशन आदि ७० से ७५ प्रतिशत से अधिक तक बनकर तैयार हो गए हैं। देरी से शुरू हुए गिरगांव स्टेशन का निर्माण कार्य सबसे कम २९ प्रतिशत से अधिक हुआ है। कुल मिलाकर, ८२ फीसदी सिविल वर्क इस प्रोजेक्ट का पूरा हो चुका है।

■ ८२ प्रतिशत सिविल वर्क हुआ पूरा

■ एमआईडीसी स्टेशन पर सर्वाधिक कार्य

७० फीसदी प्रोजेक्ट पूरा

राज्य और केंद्र सरकार के विवाद के चलते भले ही मेट्रो कारशेड निर्माण का कार्य आरंभ नहीं हो पा रहा है, किंतु इस विवाद का असर मेट्रो मार्ग के निर्माण कार्य पर नहीं पड़ा है। टनल बोरिंग मशीन (टीबीएम) व अन्य उपकरणों की मदद से तकरीबन पूरा मार्ग तैयार कर लिया गया है। एमएमआरसीएल के अनुसार, आगामी कुछ दिनों में टनलिंग का शत-प्रतिशत काम पूरा कर लिया जाएगा। अब तक ९७ प्रतिशत तक टनलिंग और पूरे प्रॉजेक्ट का करीब ७० प्रतिशत सिविल वर्क हो चुका है।